भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2900 का उत्तर

खाटू श्याम मंदिर तक रेल संपर्क

2900. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार दिल्ली से जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए खाटू श्याम जी मंदिर, रींगस तक रेल संपर्क बढ़ाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि लोगों को रेलगाड़ियों के डिब्बों की सीढ़ियों और दरवाजों पर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, क्योंकि दिल्ली से रींगस के लिए प्रतिदिन तीन रेलगाड़ियाँ चलती हैं और ये रेलगाड़ियाँ पहले से पूरी तरह आरक्षित/भरी होती हैं;

(ग) क्या 2013-14 के बजट में अलवर से वाया नूंह-फिरोजपुर झिरका रेल मार्ग स्वीकृत किया गया था, जो अभी तक शुरू नहीं हुआ है;

(घ) यदि हाँ, तो इस मार्ग के कब तक चालू होने की संभावना है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार खाटू श्याम जी के तीर्थयात्रियों को लाभान्वित करने के लिए कोटा-जयपुर वाया रेवाड़ी-नारनौल-रींगस मार्ग के बीच एक नया रेल मार्ग शुरू करने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): खाटू श्याम जी को सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए 254 करोड़ रुपए की लागत पर रींगस-खाटू श्याम जी (17 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना स्वीकृत की गई है। वर्ष 2025-26 के लिए 43 करोड़ रुपए का परिव्यय आबंटित किया गया है। भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू हो चुका है।

रींगस, जो खाटू श्याम जी मंदिर के लिए अन्तिम रेलवे स्टेशन के रूप में कार्य करता है, वर्तमान में दिल्ली से 8 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस रेल सेवाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें से 3 जोड़ी रेल सेवाएँ दैनिक रूप से परिचालित हो रही हैं।

भारतीय रेल में, आरक्षित सीटों की माँग पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहती है और यह कम व्यस्त और व्यस्त अवधि के दौरान बदलती रहती है। इसके अलावा, कम ठहराव और कम चालन समय वाली लोकप्रिय और सुविधाजनक समय पर चलने वाली रेलगाड़ियों में आम तौर पर अच्छी भीड़ होती है। हालाँकि, अन्य रेलगाड़ियों में सीटें आमतौर पर उपलब्ध रहती हैं।

वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 (जून 2025 तक) की अवधि के दौरान, रींगस और दिल्ली क्षेत्र के बीच क्रमशः कुल 4.98 लाख और 1.25 लाख आरक्षित यात्रियों ने यात्रा की है। इसके अलावा, वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 (जून 2025 तक) की अवधि के दौरान, रींगस और दिल्ली क्षेत्र के बीच चलने वाली रेलगाड़ियों का कुल औसत अधिभोग दर 100% से अधिक रहा है।

सोहना, नूँह, फिरोजपुर, झिरका से होते हुए दिल्ली से अलवर (104.11 किलोमीटर) तक नई रेल लाइन परियोजना को अपेक्षित अनुमोदन के अध्यधीन बजट में शामिल किया गया था। तदनुसार, एक सर्वेक्षण किया गया था और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई थी। कम यातायात संभावनाओं के कारण, इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इसके अलावा, रेवाड़ी के रास्ते दिल्ली से अलवर पहले से ही जुड़ा हुआ है।

वर्तमान में, 29 जोड़ी रेलगाड़ियाँ कोटा को जयपुर से जोड़ती हैं। कोटा, रींगस से भी 3 जोड़ी नियमित रेलगाड़ियों द्वारा जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, 3 जोड़ी स्पेशल रेलगाड़ियाँ भी चलाई जा रही हैं जो कोटा-जयपुर-रींगस क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना सतत प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

******